जनांकिकीय संक्रमण - सिद्धान्त
The Theory of Demographic transition

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त अथवा जनसंख्या चक्र सिद्धान्त उन्नत देशों की वास्तविक जनसंख्या प्रवृत्तियों पर आधारित है। इस सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक देश के जनसंख्या की वृद्धि पाँच विभिन्न अवस्थाओं से होकर गुजरती है। सी. पी. ब्लेकर के अनुसार ये पाँचों अवस्थाएँ निम्नलिखित है—

1. उच्च स्थिर अवस्था (High Stationary state - HS)
   जिसमें जन्म और मृत्यु दर ऊँची रहती है।
2. प्रारम्भिक विस्तारशील अवस्था (Early Expanding State - EE)
   जिसमें ऊँची जन्म दर और ऊँची किन्तु घटती मृत्यु दर होती है।
3. विलम्बित विस्तारशील अवस्था (Late Expanding State - LE)
   जिसमें घटती जन्म दर परन्तु साथ ही अधिक तेजी से घटती हुई मृत्यु दर भी होती है।
4. नीची स्थिर अवस्था (Low Stationary State - LS)
   जिसमें नीची जन्म दर समान रूप से नीची मृत्यु दर द्वारा संतुलित होती है।
5. घटती अवस्था (Declining State - D)
   जिसमें नीची मृत्यु दर उससे भी नीची जन्म दर और जन्मों की अपेक्षा मृत्यु की अधिकता होती है।

इन अवस्थाओं को A तथा B भागो में चित्र द्वारा दिखाया गया है —

Scanned with OKEN Scanner

A

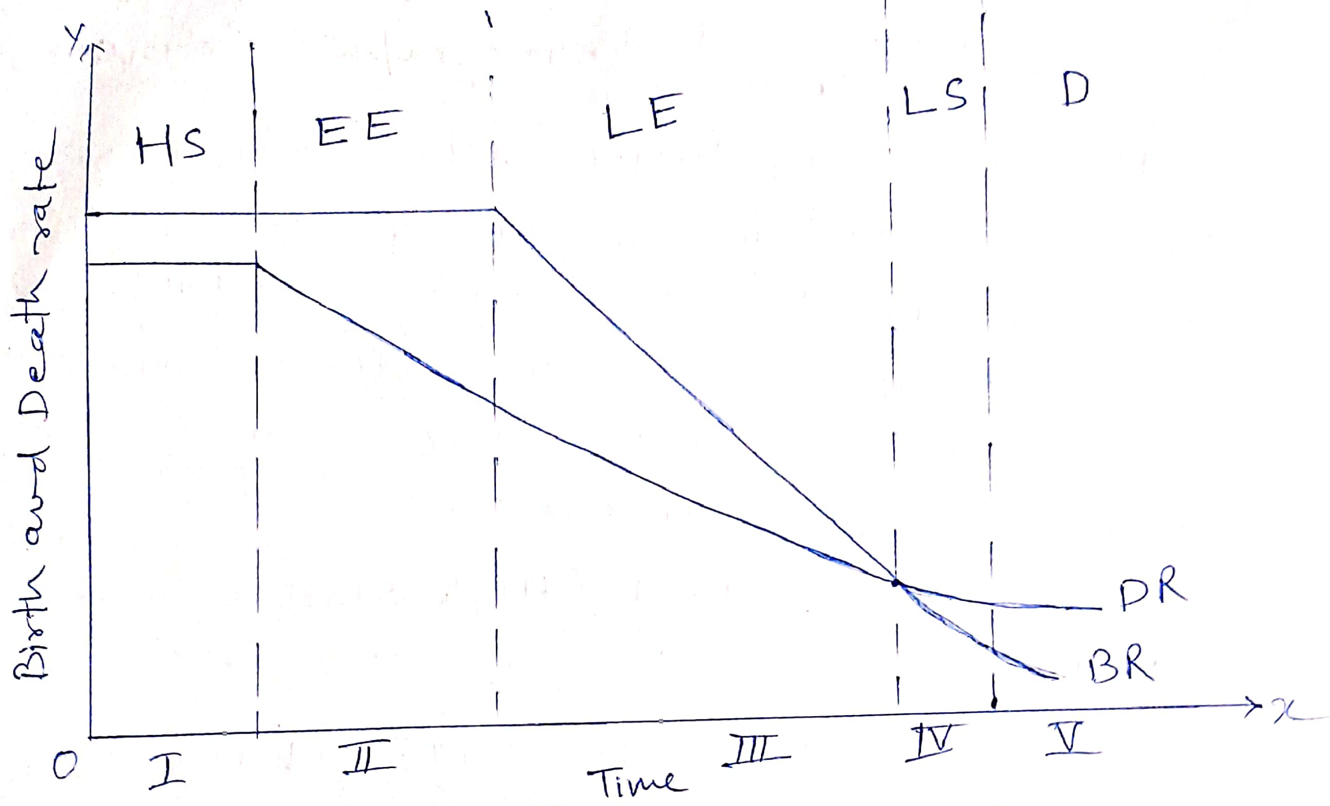

B

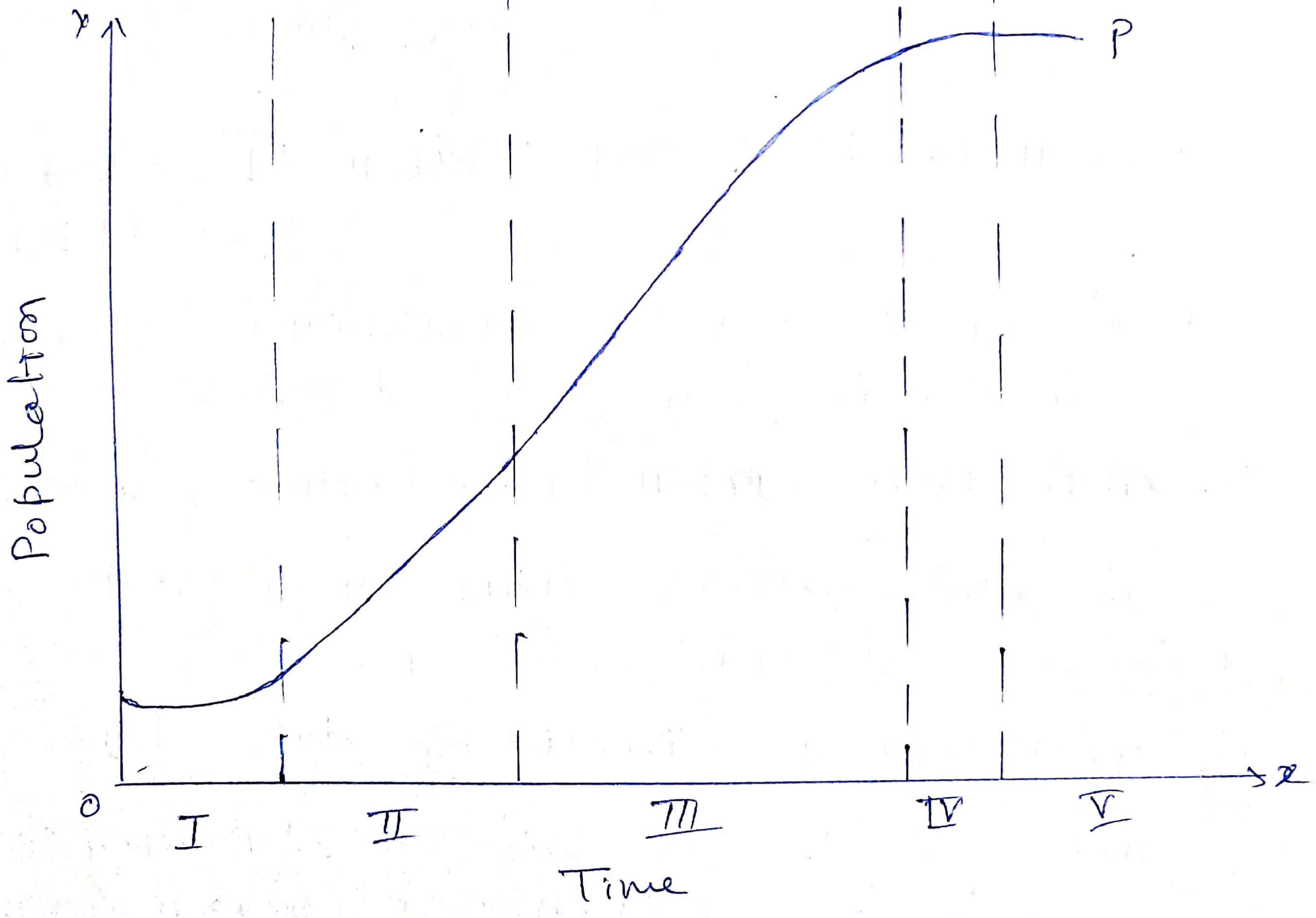

उपयुक्त चित्र A में ox axis पर Time तथा oy axis पर Birth rate and death rate को तथा चित्र B में ox axis पर Time तथा oy axis

Scanned with OKEN Scanner

axis पर Population को लिया गया है। दोनों चित्रों से स्पष्ट है कि –

प्रथम अवस्था

इस अवस्था में देश पिछड़ा हुआ होता है और इसकी विशिष्टता जन्म तथा मृत्यु की ऊँची दर होती है। अधिकतर लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और उनका प्रमुख व्यवसाय कृषि होता है जो कि पिछड़ेपन की स्थिति में होती है। छोटे मोटे उपभोक्ता वस्तु उद्योग होते हैं। तृतीयक क्षेत्र जिसके अन्तर्गत परिवहन, वाणिज्य, बैंकिंग तथा बीमा है, अल्पविकसित होते हैं। ये सभी लोगों के कम आय है, अल्पविकसित होते हैं। परिवार के नीची आय को के लिए उत्तरदायी होते हैं। परिवार बढ़ाने के लिए बड़ा परिवार आवश्यक समझा जाता है। ये सभी आर्थिक एवं सामाजिक कारण देश में ऊंची जन्म-दर के जिम्मेवार होते हैं। ऊँची जन्म दर के साथ मृत्यु दर भी ऊँची होती है, क्योंकि लोगों को पौष्टिक आहार नहीं मिलता है और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं तथा स्वच्छता की समझ का भी अभाव रहता है। परिणामत: वे रोग ग्रस्त होते हैं और उचित चिकित्सा एवं देख रेख के अभाव में अधिक मौत के शिकार हो जाते हैं। इसे चित्र A में समय अवधि HS अवस्था द्वारा तथा चित्र B में P वक्र के समानान्तर भाग द्वारा दर्शाया गया है।

द्वितीय अवस्था

दूसरी अवस्था में अर्थव्यवस्था आर्थिक वृद्धि की अवस्था में प्रवेश करती है। कृषि तथा औद्योगिक उत्पादकता बढ़ती है। परिवहन के साधनों, श्रम की गतिशीलता तथा शिक्षा में वृद्धि होती है जिससे लोगों की

आय बढ़ती है। चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं का विस्तार होने से मृत्यु दर घट जाती है परन्तु जन्म दर लगभग स्थिर रहता है क्योंकि लोग परिवार के आकार पर नियन्त्रण करने में असमर्थ होते है जिसका मूल कारण अन्धविश्वास, रीति रिवाज सामाजिक निषेध आदि होते है जिन्हें अल्प समय में तोड़ना बहुत कठिन होता है। परिणामस्वरूप जन्म दर पिछले उच्च स्तर पर ही रहती है। मृत्यु दर की कमी होने तथा जन्म दर में परिवर्तन न होने से जनसंख्या तेज रफ्तार से बढ़ती है ~~इससे~~ जनसंख्या विस्फोट होता है। चित्र के A भाग में इसे EE Stage द्वारा दर्शाया गया है जब जन्म-दर में कोई परिवर्तन नहीं होता और मृत्यु दर कम होती है। चित्र के B भाग में इसे PP वक्र द्वारा दिखाया गया है जो जनसंख्या की तेजी से बढ़ती दर को दर्शा रहा है।

तीसरी अवस्था

यह जनसंख्या विकास की विलम्बित विस्तारशील अवस्था होती है। इस अवस्था में कम हो रही मृत्यु दर, गिर रही जन्म दर के साथ तेजी से घटती जाती है। परिणामस्वरूप जनसंख्या घटती दर से बढ़ती है जैसा कि चित्र A में LE Stage द्वारा और चित्र B में PP वक्र द्वारा दर्शाया गया है। इस अवस्था में शिक्षा का प्रसार अधिक रहता है औद्योगिक एवं नगरों का विकास हो गया रहता है। परिवार नियोजन के महत्व को जनता ~~[illegible]~~ समझने

लगती है। रूढ़िवादिता खत्म हो जाती है।

चौथी अवस्था

इस अवस्था में जन्म दर घट जाती है और मृत्यु दर के बराबर होने लगती है जिससे जनसंख्या की वृद्धि दर गिर जाती है। जब आर्थिक वृद्धि में कुछ तेजी आती है और लोगों का जीवन स्तर ऊंचा होता है तो लोग पुराने रीती रिवाजो, सिद्धान्तों, अन्धविश्वासों को छोड़ देते है, और परिवार नियोजन को अपनाने लगते है जिससे जन्म दर घटने लगती है, जो पहले से मौजूद नीची मृत्यु दर के साथ मिलकर जनसंख्या की वृद्धि को घटा देती है। संसार के उन्नत देश इस अवस्था से गुजर रहे है और इनकी जनसंख्या धीमी गति से बढ़ रही है। चित्र A में LS Stage जन्म-दर के नीची स्थिर अवस्था को दर्शाता है और B में PP curve समानान्तर रहकर जनसंख्या की शून्य वृद्धि को दर्शाता है।

पांचवी अवस्था

विकसित देशों में घटती जनसंख्या की अवस्था तब आती है जब जन्म दरें निरन्तर घटती जाती है परन्तु मृत्यु दरों को और कम करना संभव नहीं होता है। किसी भी देश में इस अवस्था का होना अभी तक अनुमान ही है। इसे चित्र A में अन्तिम भाग D द्वारा दर्शाया गया है। और चित्र B में PP curve के समानान्तर होना को दर्शाया गया है जनांकीय संक्रमण सिद्धान्त यूरोप के विकसित देशों की जनसंख्या वृद्धि की वास्तविक प्रवृत्तियों पर आधारित है। यूरोप के लगभग सभी देश इसकी

पहली तीन अवस्थाओं में से गुजर चुके है और अब चौथी अवस्था में है। यह सिद्धान्त विकासशील राष्ट्रों के लिए विशेष महत्व रखता है। क्योंकि वे इसकी विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार योजनाएँ बनाकर अपनी अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन कर सकते है। इसी सिद्धान्त के आधार पर ~~अर्थशास्त्रियों~~ अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक अर्थमितीय मॉडलो का निर्माण किया है ताकि अल्पविकसित देश चौथी अवस्था में प्रवेश कर सके। इसप्रकार का एक मॉडल भारत के लिए कोल तथा हूवर ने बताया है जो अन्य विकासशील देशों पर भी लागू किया जा रहा है। अतः यह सिद्धान्त विकासशील देशों का पथ-प्रदर्शन करने में सहायक होता है।

—— x ——

Dr. Sandhya Rani
Dept of Economics
Maharaja college

Scanned with OKEN Scanner